

अभ्यास पुस्तिका भाग दो



कक्षा-दस

अनुक्रमणिका (विषय सूची)

क्रमांक	विषय	
1.	अपठित गद्यांश व पद्यांश	
2.	व्यवहारिक व्याकरण- मुहावरे,	
3.	संचयन - सपनों के से दिन, टोपी शुकला	
4.	रचनात्मक लेखन- (अनुच्छेद, पत्र, सूचना, विज्ञापन लघु कथा/ ई मेल लेखन)	
5.	अपठित गद्यांश व पद्यांश	
6.	व्यवहारिक व्याकरण- मुहावरे	
7.	स्पर्श- अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले	
8.	स्पर्श- मनुष्यता	
9.	स्पर्श- तीसरी कसम के शिल्पकार	
10.	संचयन- टोपी शुकला	
11.	रचनात्मक लेखन- (पत्र, अनुच्छेद, सूचना, विज्ञापन)	
12.	पतझड़ में टूटी पत्तियाँ	
13.	स्पर्श- कर चले हम फ़िदा	
14.	व्यवहारिक व्याकरण- (समास, वाक्य रूपांतरण, मुहावरे)	

15.	अपठित गद्यांश व पद्यांश	
16.	स्पर्श- कारतूस	
17.	स्पर्श- आत्मत्राण	
18.	व्यवहारिक व्याकरण (मुहावरे)	
19.	रचनात्मक लेखन- (पत्र, अनुच्छेद, सूचना, विज्ञापन, लघु कथा/ ई मेल लेखन)	

सितम्बर

अर्धवार्षिक परीक्षा अभ्यास

। नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।(1 × 5 = 5)

जितनी अनिच्छा से हम सलाह को स्वीकार करते हैं, उतनी अनिच्छा से किसी अन्य को नहीं। सलाह देने वालों के बारे में हम सोचते हैं कि वह हमारी समझ को अपमान की दृष्टि से देख रहा है अथवा हमें बच्चा या बुद्ध मानकर व्यवहार कर रहा है। हम उसे एक अव्यक्त सेंसर मानते हैं और ऐसे अवसरों पर हमारी भलाई के लिए जो उत्साह दिखाया जाता है, उसे हम एक पूर्व धारणा या धृष्टता मानते हैं। इसकी सच्चाई यह है कि जो सलाह देने का बहाना करता है; वह इसी कारण से हमारे ऊपर अपनी श्रेष्ठता स्थापित करता है। इसके अतिरिक्त कोई और कारण नहीं हो सकता। किन्तु अपने से हमारी तुलना करते हुए, वह हमारे आचरण अथवा समझदारी में कोई

दोष देखता है। इन कारणों से, सलाह को स्वीकार्य बनाने से कठिन कोई कला नहीं है और वास्तव में प्राचीन और आधुनिक दोनों युग के लेखकों ने इस कला में जितनी दक्षता प्राप्त की है, उसी आधार पर स्वयं को एक-दूसरे से अधिक विशिष्ट प्रमाणित किया है। इस कटु पक्ष को रोचक बनाने के कितने उपाय काम में लाए गए हैं? कुछ सर्वोत्तम शब्दों में अपनी शिक्षा हम तक पहुंचाते हैं, कुछ अत्यन्त सुसंगत ढंग से, कुछ वाक्चातुर्य से और अन्य छोटे मुहावरों में। पर मैं सोचता हूँ कि सलाह देने के विभिन्न उपायों में जो सबको अधिक प्रसन्नता देता है, वह गल्प है, वह चाहे किसी भी रूप में आए। यदि हम इस रूप में शिक्षा देने अथवा सलाह देने की बात सोचते हैं तो वह अन्य सबसे बेहतर है क्योंकि सबसे कम झटका लगता है।

(क) गद्यांश के अनुसार सलाह को किस दृष्टि से देखा जाता है?

- (i) अपमान की दृष्टि से
- (ii) सम्मान की दृष्टि से
- (iii) स्वीकार्य की दृष्टि से
- (iv) अस्वीकार्य की दृष्टि से

(ख) किस कला को सबसे कठिन कला कहा गया है?

- (i) दूसरों को अपना बनाने की कला को।
- (ii) किसी की सलाह को स्वीकार करने की कला को।
- (iii) किसी की सच्चाई को स्वीकार करने की कला को।
- (iv) किसी की सलाह को स्वीकार न करने की कला को।

(ग) लेखक किस रूप में सलाह देने को बेहतर मानता है?

- (i) मुहावरों के रूप में
- (ii) सुसंगत रूप में
- (iii) गल्प के रूप में
- (iv) सलाह के रूप में

(घ) प्राचीन और आधुनिक युग के लेखकों ने किस कला में दक्षता प्राप्त की है?

- (i) सलाह को स्वीकारने में
- (ii) सच्चाई को न स्वीकारने में

- (iii) सलाह और सच्चाई को स्वीकार करने में
(iv) सलाह और सच्चाई को न स्वीकार करने में

(ड) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तत्पश्चात् दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प छांट कर उत्तर दीजिए।

कथन (A) : हम सलाह को स्वेच्छा से स्वीकार करते हैं।

कारण (R) : सलाह देने वाला हमें अपमान की दृष्टि से देखता प्रतीत होता है।

- (i) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है।
- (ii) कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
- (iii) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी व्याख्या नहीं करता।
- (iv) कथन (A) गलत है कथन (R) सही है।

11

पत्र लेखन

अपने मुहल्ले में सार्वजनिक नल लगाने के संबंध में नगर-निगम अधिकारी को आवेदन-पत्र लिखिए ।

[illegible]

[illegible]

III

અનુચ્છેદ લેખન

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 70-80 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए ।

1) श्रम का महत्त्व

- विकास के लिए परिश्रम आवश्यक
- परिश्रम करने में बुद्धि और विवेक आवश्यक
- परिश्रम के लाभ।

2) भारतीय किसान

- भारतीय किसान का महत्त्व
- सादगी-पसंद
- परिश्रमी जीवन
- हृष्ट-पुष्ट

3) वन और हमारा पर्यावरण

- वन और पर्यावरण का संबंध
- वन-प्रदूषण-निवारण में सहायक
- वनों की उपयोगिता
- वन संरक्षण की आवश्यकता

IV विद्यालय में होने वाले कार्निवल 'जलसा' में स्टॉल बुक कराने के लिए आवेदन आमंत्रित करते हुए 'हेड बॉय' की ओर से सूचना लिखिए।

V अपनी पुरानी कहानी की पुस्तकें तथा पाठ्यपुस्तकें गरीब बच्चों को दान देने के लिए इकट्ठा करने का विज्ञापन दीजिए।

सितम्बर



पाठ - पतझड़ में टूटी पत्तियाँ

लेखक ने प्रस्तुत पाठ में जो प्रसंग प्रस्तुत किए गए हैं उनमें पहले प्रसंग (गिन्नी का सोना) जीवन में अपने लिए सुख-साधन जुटाने वालों से नहीं बल्कि उन लोगो से परिचित करवाता है जो इस संसार को सब के लिए जीने और रहने योग्य बनाए हुए हैं। दूसरा प्रसंग (झेन की देन) बौद्ध दर्शन में वर्णित ध्यान की उस पद्धति की याद दिलाता है जिसके कारण जापान के लोग आज भी अपनी व्यस्ततम दिन भर के कामों के बीच भी कुछ चैन भरे या सुकून के पल हासिल कर ही लेते हैं।

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वि जीवन में सफल होते हैं, अन्यो से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं। खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ले चलें, यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है।

समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

प्र.1 व्यवहारवादी लोग कैसे होते हैं ?

उत्तर - _____

प्र.2 क्या व्यवहारवादी लोगों को सफल माना जा सकता है ?

उत्तर - _____

प्र.3 महत्त्व की बात क्या है ?

उत्तर - _____

प्र.4 आदर्शवादी लोगों समाज के लिए क्या किया है ?

उत्तर - _____

प्र.5 'व्यवहारवादी' शब्द से प्रत्यय और 'सफल' शब्द से उपसर्ग अलग करके लिखिए ।

उत्तर - _____

अक्टूबर

। नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर सही उत्तर लिखिए-

अनुशासन शब्द का अर्थ है 'शासन अनुकूल होना' अथवा शासन के पीछे यानी जिसमें कोई-न-कोई नियंत्रण शक्ति विद्यमान हो। इस दृष्टि से जीवन भी अनुशासन में बंधा है। जीव पैदा होता है, कुछ वर्ष संसार में जीता है और मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। जीवन के साथ-साथ संपूर्ण प्रकृति भी अनुशासन में बंधी है। प्रतिदिन प्रातः काल सूर्य उदित होता है और शाम को अस्त हो जाता है। चंद्रमा प्रत्येक मास के 15 दिन नहीं दिखलाई पड़ता है, तारे रात में दिखाई पड़ते हैं दिन में नहीं। दूर, सघन वनों में पेड़-पौधे बिना माली के भी फलते-फूलते रहते हैं। मौसम एक नियम से लगातार बदलते रहते हैं। इस जीवन में व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर अनुशासन की अपेक्षा की जाती है। व्यक्तिगत स्तर पर मन, वाणी और कर्म का अनुशासन व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाता है। मन का स्वभाव है, चंचलता। जिसने इस चंचलता पर काबू पा लिया समझ लो उसने संसार पर काबू पा लिया। जिसने मन जीत लिया, उसने जग जीत लिया। वाणी का अनुशासन सफल जीवन के लिए नितांत आवश्यक है। जो लोग अपनी वाणी पर अंकुश नहीं रख पाते वे लोग संसार में न तो कभी यश प्राप्त कर पाते हैं और न लोकप्रियता। भारतीय चिंतन में कर्म के अनुशासन को भी बहुत महत्व दिया गया है। श्री कृष्ण ने गीता में कर्मों की कुशलता को ही योग का नाम दिया है। संसार उन्हीं लोगों को याद रखता है जिन्होंने अपने कर्मों को अनुशासित ढंग से पूरा किया है। संसार के महान योद्धाओं, महान राजनेताओं, चिंतकों, साहित्यकारों और वैज्ञानिकों के विषय में यह कथन शत-प्रतिशत सही है- 'कर्म के अनुशासन के बिना कोई महान नहीं बनता।'

(क) अनुशासन का शाब्दिक अर्थ है-

- (i) शब्दों के अनुकूल
- (ii) शासन के अनुकूल
- (iii) नियंत्रण के अनुकूल
- (iv) अनुशासन के पीछे

(ख) व्यक्ति के जीवन को कौन सार्थक बनाता है?

- (i) प्रकृति का अनुशासन
- (ii) वाणी का अनुशासन
- (iii) मन का अनुशासन
- (iv) मन, वाणी और कर्म का अनुशासन

(ग) भगवत गीता में कृष्ण ने अनुशासन की कुशलता को क्या नाम दिया है?

- (i) अनुशासन
- (ii) भोग
- (iii) योग
- (iv) रोग

(घ) कर्म के अनुशासन के बिना कौन महान नहीं बन सकता?

- (i) राजनेता
- (ii) चिंतक
- (iii) योद्धा
- (iv) यह सभी

(ङ) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तत्पश्चात् दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प छांट कर उत्तर दीजिए।

कथन (A) : नैतिक शिक्षा के दो पहलू हैं।

कारण (R) : परहित को तुलसीदास जी ने परम धर्म कहा है।

- (i) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है।
- (ii) कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही

- (iii) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी व्याख्या नहीं करता।
 (iv) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है।

IV मुहावरे

दिए गए मुहावरों / लोकोक्ति के अर्थ याद कीजिए-

मुहावरे	अर्थ
दीवार खड़ी करना	बाधा उत्पन्न करना
डेरा डालना	स्थायी रूप से रहना

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

	अर्थ
• अंग-अंग ढीला होना	बहुत थक जाना
• अंग-अंग मुस्कराना	बहुत प्रसन्न होना
• अपना उल्लू सीधा करना	अपना मतलब निकालना
• कोल्हू का बैल	दिन-रात काम में जुटे रहने वाला
• खून-पसीना एक करना	कठोर परिश्रम करना
• चैन की बंसी बजाना	सुख से रहना
• झक मारना	बेकार में समय बर्बाद करना
• ढाक के तीन पात	कोई फर्क न पड़ना
• दौड़-धूप करना	कठिन परिश्रम करना
• मक्खियाँ मारना	बेकार बैठना
• श्रीगणेश करना	आरंभ करना
• गुदड़ी का लाल	साधारण किंतु गुणी व्यक्ति
• गागर में सागर भरना	थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कह देना
• तिल का ताड़ बनाना	छोटी बात को बड़ा कर देना
• चुल्लू भर पानी में डूब मरना	शर्म के मारे मर जाना
• घोड़े बेचकर सोना	गहरी नींद में सोना
• गुड़ गोबर होना	बना बनाया काम बिगड़ जाना

• उल्टी गंगा बहाना	प्रतिकूल कार्य करना
• दूध का दूध, पानी का पानी	उचित न्याय करना
• अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना	अपनी बड़ाई आप करना
• अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि खराब हो जाना
• दाल में कुछ काला होना	कुछ गड़बड़ होना
• दाँत खट्टे करना	बुरी तरह हराना
• चिकना घड़ा	बेशर्म
• बहती गंगा में हाथ धोना	अच्छा मौका देखकर फ़ायदा उठा लेना
• कलई खुलना	रहस्य खुलना
• ऊँट के मुँह में जीरा	ज़्यादा खाने वाले को कम देना
• अपने पैरों पर खड़ा होना	स्वावलम्बी होना
• अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबके साथ न चलना
• कान भरना	शिकायत करना
• हथेली पर सरसों जमाना	असंभव कार्य करके दिखाना
• घाट-घाट का पानी पीना	काफ़ी अनुभवी होना

IV मुहावरों / लोकोक्तियों से रिक्त स्थानों की पूर्ति

- रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों के-----
- बालक सिद्धार्थ बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्हें देखकर कहा जा सकता था कि-----
- संजय ने जब से कपड़े का व्यापार किया है तब से उसकी-----

- कक्षा में प्रथम आने के लिए रमेश ने-----

- आजकल की पत्नियाँ अपने पति को अपनी-----

- उसने दो-चार श्लोक क्या रट लिए, अपने आप को विद्वान समझने लगा है।
इसे कहते हैं-----
- रोगी के मरने पर डॉक्टर पहुँचा तो क्या। अब का-----

- बिहारी ने अपने दोहों में -----
-----भर दिया है।
- परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने की खबर सुनकर रमेश का-----
-----गया।
- बदमाश छात्र को शिक्षक ने -----

बहुविकल्पीय अभ्यास

निम्नलिखित मुहावरों के सही अर्थ चुनिए -

1. दिल पसीजना

क) दिल का दौरा पड़ना

ग) पसीना आना

ख) दया का भाव जागना

घ) साँस फूलना

2. तूती बोलना

क) बाजा बजाना

ग) बेकार होना

ख) प्रभाव होना

घ) डर जाना

3. हाथ डालना

क) घाटा होना

ग) बाधा उत्पन्न करना

ख) काम शुरू करना

घ) चोट पहुँचाना

4. जाकै पैर न फटे बिवाई, सो क्या जाने पीर पराई

क) कष्ट स्वयं उठाने पड़ते हैं

ख) स्वयं दुख उठाए बिना दुखी का दर्द पता नहीं चलता

ग) कष्ट का पता केवल स्वयं को ही पता होता है

घ) पैर फटने पर बिवाई का दुख पता चलता है ।

5. अधजल गगरी छलकत जाए

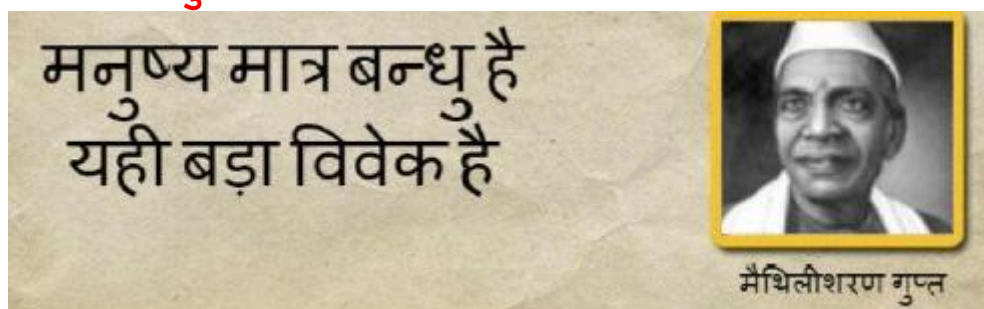
क) थोड़े में बहुत कहना

ख) थोड़ा ज्ञान रखनेवाले अधिक घमंड करते

ग) कंजूस का धन व्यर्थ हो जाता है

घ) घमंडी का सिर नीचा होता है

कविता - मनुष्यता



प्रकृति के अन्य प्राणियों की तुलना में मनुष्य में सोचने की शक्ति अधिक होती है। वह अपने ही नहीं दूसरों के सुख - दुःख का भी ख्याल रखता है और दूसरों के लिए कुछ करने में समर्थ होता है। जानवर जब चरागाह में जाते हैं तो केवल अपने लिए चर कर आते हैं, परन्तु मनुष्य ऐसा नहीं है। वह जो

कुछ भी कमाता है ,जो कुछ भी बनाता है ,वह दूसरों के लिए भी करता है और दूसरों की सहायता से भी करता है।

प्रस्तुत पाठ का कवि अपनों के सुख - दुःख की चिंता करने वालों को मनुष्य तो मानता है परन्तु यह मानने को तैयार नहीं है कि उन मनुष्यों में मनुष्यता के सारे गुण होते हैं। कवि केवल उन मनुष्यों को महान मानता है जो अपनों के सुख - दुःख से पहले दूसरों की चिंता करते हैं।

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए-

**रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।
अतीव भाग्यहीन है अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।**

1. कवि ने किस वस्तु के नशे में अंधा होने से मना किया है?

(क) धन (ख) ज़मीन (ग) आभूषण (घ) कोई नहीं

2. 'अनाथ कौन है यहाँ' से कवि का आशय है-

(क) कवि अनाथ का नाम जानना चाहते हैं।

(ख) यहाँ कौन संपत्ति विहीन है?

(ग) इस धरती पर ईश्वर के होते हुए कोई अनाथ नहीं है।

(घ) अर्थात् कौन सनाथ नहीं है?

3. 'विशाल हाथ' से कवि क्या कहना चाहता है?

(क) ईश्वर के हाथ मनुष्यों से बड़े हैं।

(ख) ईश्वर की दया भरे हाथ हर जगह पहुँच सकते हैं।

(ग) ईश्वर के चार-चार हाथ हैं।

(घ) उपरोक्त सभी

4. कवि कैसे मनुष्य को मनुष्य मानते हैं?

(क) जो अपने प्राण त्याग देता है।

(ख) जो देश की रक्षा करता है।

(ग) जो त्रिलोकनाथ के साथ रहता है।

(घ) जो दूसरों के हित में स्वयं को बलिदान कर देता है।

5. प्रस्तुत काव्यांश के कवि हैं-

(क) सुमित्रा नंदन पंत

(ख) रामधारी सिंह दिनकर

(ग) मैथिलीशरण गुप्त

(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

VII टोपी शुक्ला

प्रश्न. मित्रता किस प्रकार के लोगों से होती है? इस विषय पर अपने विचार प्रकट करते हुए अपने मित्र की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर-

VIII तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र -

1. तीसरी कसम फिल्म में किसने अभिनय किया है-

- (क) राज कपूर
- (ख) राजेश खन्ना
- (ग) शम्मी कपूर
- (घ) निदा फाज़ली

2. लेखक के अनुसार हमारी फिल्मों में सबसे बड़ी कमी क्या है?

- (क) मसाले की
- (ख) शोखी की
- (ग) लोक तत्व की
- (घ) कोई नहीं

3. तीसरी कसम फिल्म को क्या कहकर पुकारा गया?

- (क) सेल्यूलाइड पर लिखी कविता
- (ख) सेल्यूलाइड पर लिखी कहानी
- (ग) सेल्यूलाइड पर लिखी चिट्ठी
- (घ) कोई नहीं

4. तीसरी कसम फिल्म को क्या कहकर पुकारा गया?

- (क) सेल्यूलाइड पर लिखी कविता
- (ख) सेल्यूलाइड पर लिखी कहानी

- (ग) सेल्यूलाइड पर लिखी चिट्ठी
- (घ) कोई नहीं

5 जोकर फिल्म को बनाने के लिए कितना समय लगा?

- (क) एक साल
- (ख) दो साल
- (ग) छह साल
- (घ) सात साल

प्रश्न 1. आर्थिक खतरों के बावजूद शैलेंद्र ने 'तीसरी कसम' बनाने का निर्णय क्यों लिया? इसका परिणाम क्या रहा?

प्रश्न 2. शैलेंद्र के गीत कैसे होते थे?

प्रश्न 3. तीसरी कसम फिल्म की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए?

IX पत्र लेखन

दूरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखकर राष्ट्रीय एकता संबंधी अच्छे कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए निवेदन कीजिए।

[illegible]

X अनुच्छेद लेखन

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 70-80 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

1. बढ़ती जनसंख्या का भयावह रूप

- जनसंख्या-वृद्धि एक भयावह समस्या
- परिणाम
- कारण और समाधान

2. दैनिक जीवन में विज्ञान

- विज्ञान युग
- विज्ञान पर आश्रित दिनचर्या
- घरेलू क्रिया-कलापों में सहयोगी विज्ञान

3. बीता अवसर हाथ नहीं आता

- समय लौटता नहीं
- उचित समय का उचित लाभ लेना आवश्यक
- कोई उदाहरण

XI सूचना लेखन

‘अखबार रीसाइकिल प्रोजेक्ट प्रतियोगिता’ में ज़्यादा से ज़्यादा अखबार देकर अपने सदन को जिताने का आह्वान करते हुए ‘हाउस कैप्टन’ की ओर से सूचना लिखिए।

XII विज्ञापन लेखन

वातावरण की सुरक्षा हेतु अपने प्रिंटर के कार्ट्रिज तथा मोबाइल की बैटरी इकट्ठी कर रीसाइकिल सेंटर में जमा करने का विज्ञापन दीजिए।

I

निम्नलिखित मुहावरों का सटीक अर्थ चुनिए -

1. सीधे मुँह बात न करना

क) दीवाली मनाना

ख) बात-बात में झगड़ा करना

ग) एक की सहायता से दूसरे की काम बनाना ग) दीए से रोशनी करना।

2. गुड़ गोबर करना

क) बेस्वाद करना

ख) बात बिगाड़ना

ग) गुड़ खराब करना

घ) नष्ट करना

3. नमक-मिर्च लगाना

क) स्वादिष्ट बनाना

ख) दुखी को और दुखी बनाना

ग) बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन करना

घ) बहुत गुस्सा होना

4. बहानेबाज़ी करना

क) टालमटोल करना

ख) अगर-मगर करना

ग) अँगूठा दिखाना

घ) बगलें झाँकना

5. घाव पर नमक छिड़कना

क) दुखी को और दुखी करना

ख) बहुत तेज रोना

ग) दुखी को तसल्ली देना

घ) स्वादिष्ट बनाना

V समास विग्रह तथा समास का नाम लिखिए -

समस्त पद

विग्रह

भेद

1 राजदूत

2 गृहस्वामी

3 चतुर्भुज

4 धूपदीप

5 पथभ्रष्ट

6 राहखर्च

- 7 महावीर
- 8 भारतरत्न
- 9 ऋणमुक्त
- 10 नीलगाय
- 11 यशप्राप्त
- 12 सप्तर्षि
- 13 देशनिकाला
- 14 प्रसंगानुकूल
- 15 त्रिभुवन
- 16 आमरण

VI वाक्य -भेद

प्रश्न - रचना के आधार पर वाक्य के भेद बताइए -

1) राम आया था और मोहन चला गया था

उत्तर- _____

2) राम ने कहा कि कल छुट्टी रहेगी

उत्तर- _____

3) रात भर शोर होता रहा और मैं सो न सका

उत्तर- _____

4) बहुत-सा काम करना शेष है।

उत्तर- _____

5) जो जागता है, वह पाता है।

उत्तर- _____

6) मैं चाहता हूँ कि सभी ध्यान दें

उत्तर- _____

7) ज्यों ही किसी ने घंटी बजाई, चोर भाग गया।

उत्तर- _____

8) जहाँ कभी बंजर था, वहाँ अब सुन्दर उपवन है

उत्तर- _____

9) पुलिस ने चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया।

उत्तर- _____

10) कल मैं लखनऊ जा रहा हूँ और वहीं से मुम्बई जाऊँगा

उत्तर- _____

11) खरगोश पेड़ के नीचे सो गया क्योंकि उसे बहुत घमंड था।

उत्तर- _____

12) मैं जानता हूँ, तुम किसे चाहते हो।

उत्तर- _____

13) वे रोज़ पार्क में टहलने जाते हैं ।

उत्तर- _____

14) आकाश में बादल छा गए और वर्षा होने लगी।

उत्तर- _____

15) चोर कमरे में चोरी करता रहा और मैं सोता रहा।

उत्तर- _____

16) आज नकद दीजिए और कल उधार ले जाइए।

उत्तर- _____

17) जैसा बोओगे, वैसा काटोगे।

उत्तर- _____

18) वह आया था, परंतु चला गया।

उत्तर- _____

VII वाक्य रचनांतरण

1) अध्यापक कक्षा में आए और पढ़ाने लगे। (सरल)

उत्तर- _____

2) छात्र स्कूल से घर आया। वह खेलने चला गया। (मिश्र)

उत्तर- _____

3) कृपया सभी यहाँ आकर सुनें। (संयुक्त)

उत्तर- _____

4) ललित विद्वान है। ललित का सब आदर करते हैं। (सरल और मिश्र)

उत्तर- _____

5) परिश्रमी व्यक्ति को सभी चाहते हैं। (मिश्र)

उत्तर- _____

6) पौधे लगाकर माली चला गया। (सरल और मिश्र)

उत्तर- _____

7) वह घर पहुँचा। माँ ने उसे बुलाया था। (मिश्र)

उत्तर- _____

8) यह वही लड़की है जो घर से भाग गई थी। (सरल)

उत्तर- _____

9) चूहे का कमाल है। चूहे ने मोटा कालीन काट डाला। (सरल व मिश्र)

उत्तर- _____

10) उसने कविता तुरंत लिखकर सुनाई। (संयुक्त)

उत्तर- _____

लघु कथा

लघु कथा लेखन का प्रारूप व उदाहरण

- (i) दी गई रूपरेखा अथवा संकेतों के आधार पर ही कहानी का विस्तार करना चाहिए।
- (ii) कहानी में विभिन्न घटनाओं और प्रसंगों को संतुलित विस्तार देना चाहिए। किसी प्रसंग को न बहुत अधिक संक्षिप्त लिखना चाहिए, न अनावश्यक रूप से बहुत अधिक बढ़ाना चाहिए।
- (iii) कहानी का आरम्भ आकर्षक होना चाहिए ताकि कहानी पढ़ने वाले का मन उसे पढ़ने में लगा रहे।

- (iv) कहानी की भाषा सरल, स्वाभाविक तथा प्रभावशाली होनी चाहिए। उसमें बहुत अधिक कठिन शब्द तथा लम्बे वाक्य नहीं होनी चाहिए।
- (v) कहानी को उपयुक्त एवं आकर्षक शीर्षक देना चाहिए।
- (vi) कहानी को प्रभावशाली और रोचक बनाने के लिए मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग भी किया जा सकता है।
- (vii) कहानी हमेशा भूतकाल में ही लिखी जानी चाहिए।
- (viii) कहानी का अंत सहज ढंग से होना चाहिए।
- (ix) अंत में कहानी से मिलने वाली सीख स्पष्ट व संक्षिप्त होनी चाहिए।

(1) कहानी की सहायता या आधार पर कहानी लिखना -

मूल कहानी को ध्यान से पढ़कर कहानी लिखने का अभ्यास किया जाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि कहानी को खूब ध्यान से पढ़ा जाए, उसकी प्रमुख बातों या चरित्रों या घटनाओं को अलग कागज पर संकेत-रूप में लिख लिया जाए और फिर अपनी भाषा में मूल कहानी को इस तरह लिखा जाए कि कोई भी महत्वपूर्ण बात या घटना या प्रसंग छूटने न पाए। इस प्रकार की कहानी लिखते समय छात्रों को निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए-

- (i) कहानी का आरम्भ आकर्षक ढंग से हो
 - (ii) संवाद छोटे-छोटे हों
 - (iii) कहानी का क्रमिक विकास हो
 - (iv) उसका अन्त स्वाभाविक हो
 - (v) कहानी का शीर्षक मूल कहानी का शीर्षक हो
 - (vi) भाषा सरल और सुबोध हो।
- इनके आधार पर छात्रों से कहानी लिखने का अभ्यास कराया जाना चाहिए।

(2) रूपरेखा (संकेतों) के सहारे कहानी लिखना -

रूपरेखा या दिए गये संकेतों के आधार पर कहानी लिखना कठिन भी है, सरल भी। कठिन इसलिए कि संकेत अधूरे होते हैं। इसके लिए कल्पना और

मानसिक व्यायाम करने की आवश्यकता पड़ती है। सरल इसलिए कि कहानी के संकेत पहले से दिए रहते हैं। लेकिन, इस प्रकार की कहानी लिखने के लिए कल्पना से अधिक काम लेना पड़ता है। ऐसी कहानी लिखने में वे ही छात्र अपनी क्षमता का परिचय दे सकते हैं, जिनमें सर्जनात्मक और कल्पनात्मक शक्ति अधिक होती है। इसके लिए छात्र को संवेदनशील और कल्पनाप्रवण होना चाहिए। एक उदाहरण इस प्रकार है-

प्रश्न-1 'एकता में बल' विषय पर 120 शब्दों में कहानी लिखिए।

प्रश्न-2 दिए गए संकेतों के माध्यम से अपूर्ण कहानी को पूर्ण कीजिए।

छात्रों में कल्पना-शक्ति जगाने के लिए कि -----अपूर्ण कहानी को ध्यान से पढ़ाया जाए, उसके क्रमों को समझाया जाए और ----- को पूरा करने का अभ्यास कराया जाए। एक उदाहरण इस प्रकार है-----कौए ने कौआ अपनी मूर्खता पर पछताने लगा।-----अब अगर दूसरी बार कौआ मांस का टुकड़ा ले आए, -----तो लोमड़ी क्या करेगी?

ई मेल लेखन

ई-मेल लेखन क्या है?

ई-मेल का मतलब होता है इलेक्ट्रॉनिक मेल। इंटरनेट के माध्यम से, हम कुछ ही मिनटों में जानकारी दे सकते हैं। आज की दुनिया में, ई-मेल संचार का सबसे सामान्य रूप है। आज शायद ही कोई कंप्यूटर यूजर होगा, जो ई-मेल का उपयोग न करता हो। ई-मेल लेखन हमें तुरंत समाधान पाने में मदद करता है। ई-मेल लेखन में इलेक्ट्रॉनिक संचार प्रणाली पर संदेश लिखना, भेजना, संग्रह करना और प्राप्त करना शामिल है।

ई-मेल तीन प्रकार की होती है :

- Semi-Formal email (अर्द्ध औपचारिक ई-मेल)
- Formal email (औपचारिक ईमेल)

- Informal email (अनौपचारिक ईमेल)

- (1) **Semi - Formal Email** (अर्द्ध औपचारिक ई-मेल): किसी सहपाठी या साथ में काम करने वाले, के लिए किसी विषय के अंतर्गत लिखा गया ई-मेल इस श्रेणी में आता है। उपयोग की जाने वाली भाषा सरल, मित्रवत और आकर्षण वाली होती है। शील और मर्यादा को बनाए रखना होता है।
- (2) **Formal Email** (औपचारिक ई-मेल): मान लीजिए कि हम किसी भी प्रकार के व्यापारिक वार्तालाप के लिए एक ई-मेल लिख रहे हैं या रचना कर रहे हैं। यह औपचारिक ई-मेल की श्रेणी में आएगा। औपचारिक ई-मेल लेखन कंपनियों, सरकारी विभागों, स्कूल प्राधिकरणों या किसी अन्य अधिकारियों को लिखा गया ई-मेल होगा।
- (3) **Informal Email** (अनौपचारिक ई-मेल): किसी भी रिश्तेदार, परिवार या दोस्तों को एक अनौपचारिक ई-मेल लिखा जाता है। अनौपचारिक ई-मेल लेखन के लिए कोई विशेष नियम नहीं हैं। एक व्यक्ति अपनी पसंद की किसी भी भाषा का उपयोग कर सकता है।

ई-मेल लेखन का प्रारूप -

प्रेषक (From) : मेल भेजने वाले का ई-मेल पता।

प्रेषिती (To) : मेल प्राप्त करने वाले का ई-मेल पता।

CC: कार्बन कॉपी

BCC: Blind Carbon Copy

विषय : यहाँ ई-मेल का विषय संक्षेप में लिखते हैं।

अभिवादन : जिसे ई-मेल लिखा जा रहा है उसके आदर स्वरूप शब्द लिखा जाता है। जैसे प्रिय, महोदय आदि।

मुख्य विषय वस्तु : विषय से संबंधित विस्तार से विषय लिखा जाता है।

समापन : कथन समाप्त करना

अटैचमेंट ज्वाइन करें : पीडीएफ, इमेज जैसी फाइल अटैच करना

हस्ताक्षर : प्रेषक का नाम, संकेत, आदि

राज्य के परिवहन सचिव transport@delhi.gov.in को एक ईमेल लिखिए,
जिसमें आपकी बस्ती तक नया बस मार्ग आरंभ कराने का अनुरोध हो।

From: suresh@mycbseguide.com

To: transport@delhi.gov.in

CC ...

BCC ...

विषय - अपनी कॉलोनी तक नए बस मार्ग हेतु।

महोदय,

मैं उत्तर-पश्चिम दिल्ली के विकासपुरी, डी ब्लॉक का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में बड़ी जनसंख्या निवास करती है, जिसमें अधिकांश लोग दिल्ली के विभिन्न भागों में कार्यरत हैं। हमारी कॉलोनी से कोई बस नहीं चलती।

अतः आपसे अनुरोध है कि विकासपुरी डी-ब्लॉक तक एक नया बस मार्ग (बस रूट) आरंभ करने की कृपा करें। मुझे विश्वास है कि आप इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को इसके लिए उचित निर्देश देंगे।

सुरेश

छात्रों के लिए अधिक खेल-सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए अपने प्रधानाचार्य महोदय को xyzschool@gmail.com पर एक ईमेल लिखिए।

From: mohan@mycbseguide.com

To: xyzschool@gmail.com

CC ...

BCC ...

विषय - अधिक खेल सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध

महोदय,

जैसा कि आपको विदित है कि आगामी मास में जिले स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होने वाला है जिसमें हमारा विद्यालय भी भाग ले रहा है। हालांकि उपलब्ध साधनों से हमने अभ्यास किया है किन्तु वह पर्याप्त नहीं है। यह अनुरोध हम आपसे कर रहे हैं कि कृपया खिलाड़ियों की

खेल सुविधाओं एवं सामग्री में कोई कमी न की जाए तथा खेल गतिविधियों हेतु अधिक फंड निधि की व्यवस्था की जाए ताकि आने वाली प्रतियोगिता में हम बेहतर प्रदर्शन कर सकें और विद्यालय का नाम रौशन कर सकें।
आशा है आप हम खिलाड़ियों के इस अनुरोध को स्वीकार करने की कृपा करेंगे।
मोहन

दिसम्बर

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

डॉ. कलाम दृढ़ इच्छा-शक्ति वाले वैज्ञानिक थे। वे भारत को विकसित देश बनाने का सपना संजोए हुए थे। उनका मानना था कि भारतवासियों को व्यापक दृष्टि से सोचना चाहिए। हमें सपने देखने चाहिए। सपनों को विचारों में बदलना चाहिए। विचारों को कार्यवाही के माध्यम से हकीकत में बदलना चाहिए। डॉ. कलाम तीसरे ऐसे वैज्ञानिक हैं, जिन्हें भारत का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिया गया। उन्हें 'पद्मभूषण' तथा 'पद्मविभूषण' से भी सम्मानित किया गया। भारत को उन पर गर्व है। इतनी उपलब्धियाँ प्राप्त करने के बावजूद अहंकार कलाम जी को छू तक नहीं पाया। वे सहज स्वभाव के एक भावुक व्यक्ति थे।

उन्हें कविताएँ लिखना, वीणा बजाना तथा बच्चों के साथ रहना पसंद था। वे सादा जीवन उच्च विचार में विश्वास रखते थे। कलाम साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। कलाम जी तपस्या और कर्मठता की प्रतिमूर्ति हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेते समय दिए गए भाषण में उन्होंने कबीरदास जी के इस दोहे का उल्लेख किया था-‘काल करे सो आज कर, आज करे सो अब’।

(क) डॉ. कलाम ने भारत को क्या बनाने का सपना देखा है?

- (i) अल्प विकसित देश
- (ii) विकसित देश
- (iii) निर्मित देश
- (iv) विकासशील देश

(ख) गद्यांश में विचारों की कार्यवाही के माध्यम से किसमें बदलाव की बात कही जा रही है?

- (i) वास्तविकता में
- (ii) असत्य में
- (iii) भावुकता में
- (iv) असहजता में

(ग) डॉ. कलाम एक दृढ़ इच्छा-शक्ति वाले ... थे?

- (i) वैज्ञानिक
- (ii) कलाकार
- (iii) साहित्यकार
- (iv) दार्शनिक

(घ) डॉ. कलाम को क्या नहीं छू पाया था ?

- (i) अहंकार
- (ii) विश्वास
- (iii) गर्व
- (iv) अविश्वास

(ड) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

(I) डॉ कलाम भारत को विकासशील देखना चाहते थे।

(II) उपलब्धियाँ प्राप्त करने के कारण डॉ कलाम में अहंकार आ गया था।

(III) डॉ कलाम तपस्या और परिश्रम के साक्षात् उदाहरण थे।

(IV) वह वैज्ञानिक होने के साथ-साथ कवि और वादक भी थे।

गद्यांश के आधार पर कौन-सा कथन/से कथन सही है

(i) केवल II

(ii) केवल III

(iii) III और IV

(iv) I और II

पाठ - कारतूस



वजीर अली

III निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए। (1 × 5 = 5)

किस्सा क्या हुआ था उस को उसके पद से हटाने के बाद हमने वजीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपये सालाना वजीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कोलकाता तलब किया। वजीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कोलकाता में क्यों तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उल्टा उसे भला-बुरा सुना दिया। वजीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेजों के खिलाफ नफरत कूट-कूट कर भरी थी। उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(क) वजीर अली को पद से हटाने के बाद उसके साथ क्या किया गया?

- (i) उसे कोलकता भेज दिया गया
- (ii) उससे तीन लाख रुपये सालाना जुर्माना लिया गया
- (iii) उसे तीन लाख सालाना वजीफा दिया गया
- (iv) उसे गवर्नर जनरल बना दिया गया

(ख) वजीर अली कंपनी के वकील के पास क्यों गया था?

- (i) उससे गवर्नर जनरल की शिकायत करने के लिए
- (ii) उससे माफी मांगने के लिए
- (iii) उसे भला-बुरा सुनाने के लिए
- (iv) उसका कत्ल करने के लिए

(ग) अंग्रेजों के खिलाफ किसके मन में नफरत भरी थी?

- (i) वकील के मन में
- (ii) गवर्नर जनरल के मन में
- (iii) वजीर अली के मन में
- (iv) इन तीनों के मन में

(घ) वजीर अली ने वकील का कत्ल क्यों किया?

- (i) वह उससे नफरत करता था
- (ii) वह अंग्रेजों से नफरत करता था

- (iii) वकील ने उसे भला बुरा सुनाया
(iv) उसने वकील को भला बुरा सुना दिया

IV कविता - आत्मत्राण

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले;
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय ॥
मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणामय)
तरने की हो शक्ति अनामय ।

प्र.1 किसी सहायक के न मिलने पर कवि चाहते हैं -

- क) कि ईश्वर उनकी मदद करे
ख) कि कोई आकर सहायक बने
ग) कि अपना बल-पौरुष न हिले
घ) कि कोई भी मदद न करे

प्र.2 'अनामय' का अर्थ स्पष्ट करें -

- क) स्वस्थ शरीर ख) हिम्मत
ग) अन्न घ) ईश्वर

प्र.3 'मेरा त्राण करो' का आशय स्पष्ट करें -

- क) आश्रय देना ख) बचाव करना
ग) उद्धार करना घ) तीनों सही हैं ।

प्र.4 तो भी मन में ना मानूँ क्षय - कवि किस स्थिति में भी क्षय नहीं मानना चाहता ?

क) दुख पड़ने पर भी ख) कार्य व्यापार में हानि होने पर भी
ग) धोखा मिलने पर घ) 'ख' और 'ग' सही हैं ।

प्र.5 ईश्वर के लिए कौन-सा शब्द आया है ?

क) पौरुष ख) अनुदिन
ग) करुणामय घ) सहायक

V दिए गए मुहावरों / लोकोक्ति के अर्थ याद कीजिए -

मुहावरे	अर्थ
आँखों में धूल झाँकना	धोखा देना
हाथ न आना	पकड़ा न जाना
मुट्ठी भर	थोड़े-से
कूट-कूटकर भरना	भावना का बहुत अधिक प्रबल होना
काम तमाम करना	जान से मार डालना
नज़र रखना	निगरानी करना
जान बखशी करना	जान छोड़ देना
हक्का-बक्का होना	हैरान होना
हवा में उड़ना	थोथी बातें करना

VII पत्र लेखन

बैंक की चेकबुक खो जाने की सूचना देते हुए बैंक प्रबंधक को पत्र लिखिए।

[illegible]

VIII અનુચ્છેદ લેખન

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 70-80 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए ।

1. विद्यार्थियों पर दूरदर्शन का प्रभाव

- प्रस्तावना
- मनोरंजन के साधन के रूप में
- शिक्षा के माध्यम के रूप में
- निष्कर्ष

2. दिल्ली की बदलती तस्वीर

- भूमिका
- क्षेत्र एवं आबादी
- बुनियादी सुविधाओं का विस्तार
- शहरी सौंदर्यीकरण

3. प्रदूषण की समस्या

- भूमिका
- विकट समस्या
- कारण
- निवारण

X सूचना लेखन

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को 'भारतीय कौंसलावास' में अपने विद्यालय के छात्रों के प्रदर्शन को देखने के आमंत्रित करते हुए विद्यार्थी सचिव की ओर से सूचना लिखिए।

XI विज्ञापन लेखन

भविष्य बताने वाले कम्प्यूटर को बेचने के लिए विज्ञापन दीजिए।

अभ्यास परीक्षा पुनरावृत्ति

1. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए-

स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है । शरीर अस्वस्थ होने पर हम बौद्धिक कार्य भी नहीं कर पाते। सामने सुस्वादु व्यंजन देखकर कौन उनका

सेवन नहीं करना चाहता ? घर में सभी प्रकार के व्यंजन उपलब्ध होने पर भी जिन्हें अति परहेज़ का भोजन करना पड़ता है, वे ही जानते हैं कि जीभ पर कंट्रोल रखना कितना श्रमसाध्य होता है। श्रमहीन शरीर की दशा जंग लगी हुई चाबी की तरह अथवा अन्य किसी उपयोगी वस्तु की तरह निष्क्रिय हो जाती है। शारीरिक श्रम वस्तुतः जीवन का आधार है, जीवंतता की पहचान है ।

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वह प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपनी दिनचर्या से संबंधित प्रत्येक कार्य जैसे शौचालय की सफ़ाई स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है । महात्मा गाँधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनकी नीतियों की उपेक्षा के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोज़गारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि पर अंकुश लगाना हमारे वश की बात रह गई है।

श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलंत उदाहरण है हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज़ करता है। वह यह नहीं जानता कि शारीरिक श्रम का परिणाम कितना सुखदायी होता है। हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना सामान्यतः उच्च सामाजिक स्तर की पहचान माना जाता है। यही कारण है कि ज्यों-ज्यों आर्थिक स्थिति में सुधार होता जाता है, त्यों-त्यों बीमारों व बीमारियों की संख्या में वृद्धि होती जाती है। इतना ही नहीं, बीमारियों की नई-नई किस्में भी सामने आती जाती हैं। जिस समाज में शारीरिक श्रम के प्रति हेय दृष्टि नहीं होती, वह समाज अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ एवं सुखी दिखाई देता है।

प्र.1 'स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

प्र.2 गांधी जी की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम हम किस रूप में भोग रहे हैं?

उत्तर-

प्र.3 श्रमशील समाज के व्यक्ति कैसा जीवन जीते हैं ?

उत्तर-

प्र.4 शिक्षित वर्ग की बेकारी का क्या कारण है ?

उत्तर-

III पत्र लेखन

अनियमित डाक वितरण में सुधार करने के लिए अपने क्षेत्र के डाकपाल को पत्र लिखिए ।

[illegible]

IV अनुच्छेद लेखन

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 70-80 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

1. ज़हरीले धुएँ में डूबा दिल्ली शहर

- ज़हरीले धुएँ का तात्पर्य
- कारण
- समस्याएँ
- क्या करें

2. खो गया है बचपन

- कम उम्र में पढ़ाई का बोझ
- माता-पिता की इच्छाओं का दबाव
- कंप्यूटर व दूरदर्शन का प्रभाव
- खेलने के समय का अभाव

3. विज्ञान मिला जब आधार : सुखी हुआ तब संसार

- जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान

- दैनिक जीवन में उपयोग
- विज्ञान के द्वारा प्राप्त विभिन्न सुख-सुविधाएँ

फरवरी

अभ्यास कार्य

फरवरी

। निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर

लिखिए-

विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त- अमरीका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता में छिपा है। इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग में अकेले ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी आपकी सहायता नहीं करती। समस्याएँ न हों तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। ये समस्याएँ वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति के श्रेष्ठतम तत्व उभरकर सामने आते हैं। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन हैं। पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखे व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचे। दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले छात्रों के यह संदेश दिया था- तुम्हें जीवन सफल होने के लिए समस्याओं से लड़ने का अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यही है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक और पारलौकिक सभी दृष्टियों से अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करता है। आप जागिए, उठिए, दृढ-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय-रथ पर चढ़िए और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए ।

प्र.1 महापुरुषों का जीवन क्या संदेश देता है ?

उत्तर-

प्र.2 समस्याओं से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर-

प्र.3 मनुष्य का विकास कब रुक जाता है ?

उत्तर-

प्र.4 अंतिम अनुच्छेद में 'विजय रथ' को किसका रूप माना है ?

उत्तर-

प्र.5 इस गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है -

उत्तर-

पत्र लेखन

निम्नलिखित विषयों पर पत्र लेखन का अभ्यास कीजिए -

1. **शिकायती पत्र**

- अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को पत्र लिखिए जिसमें मनीआर्डर प्राप्त न होने की शिकायत की गई हो ।

2. संपादक को पत्र

- दिल्ली निवासी अनिमेष की ओर से किसी प्रतिष्ठित पत्र के संपादक को पत्र लिखकर नगर में डेगू फैलने के कारणों की चर्चा करते हुए इससे निपटने की अपर्याप्त तैयारियों का उल्लेख कीजिए ।

3. बैंक को -

- आपके बैंक-खाते में गलती से 5000 रु. की राशि अधिक आ गई है। इसकी सूचना बैंक अधिकारी को दीजिए ।

4. दूरदर्शन को -

- दूरदर्शन-निदेशक को किसी अप्रिय कार्यक्रम के विषय में पत्र लिखिए ।

5. प्रधानाचार्य को -

- प्रधानाचार्य को चरित्र-प्रमाण-पत्र देने का अनुरोध करते हुए आवेदन-पत्र लिखिए ।

III पत्र लेखन

आपको पहली बार प्रधानाचार्य के हाथों पुरस्कार प्राप्त हुआ, अपने इस अनुभव को मित्र को पत्र लिखकर बताइए ।

IV अनुच्छेद लेखन

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 70-80 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

1. विज्ञापनों का महत्व

- विज्ञापन का अर्थ
- विज्ञापन के साधन
- विज्ञापनों का महत्व तथा प्रभाव

2. साहित्य और समाज

- भूमिका
- साहित्य और समाज का संबंध
- साहित्य समाज सुधार का साधन

3. प्रकृति से प्रेम करो

- ईश्वर का अमूल्य उपहार
- प्रकृति हमारी धरोहर है
- प्रकृति प्रेम, खुशी तथा शांति

